कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–012

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.वी.एस.–012 : ग्रहपिण्ड विचार एवं ग्रहारम्भ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* ***दो*** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–अ

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* 3×20=60

1. ग्रामवास के शुभाशुभत्व विषयक मतों का वर्णन कीजिए।

2. भूमिपरीक्षण की श्रेष्ठ-विधि क्या है ? वर्णन कीजिए।

3. भूमि का आकार कैसा होना चाहिए ? गृहपिण्ड विचार में इसके निर्णय का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. प्रशस्त भूमि किसे माना जाता है ? भूमि चयन के सन्दर्भ में इसके सिद्धान्तों एवं विधियों का वर्णन कीजिए।

5. पिण्ड-निर्धारण में पंचांग परिज्ञान का क्या महत्व है ? वर्णन कीजिए।

6. शल्योद्धार एवं भू-शुद्धि का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तरदीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

$4 \times 10 = 40$

1. पिण्ड साधन के अवयवों का वर्णन कीजिए।

2. निषिद्ध भूमि का क्या लक्षण है ? पठित अंश के आधार पर वर्णन कीजिए।

3. पिण्ड साधन में द्रव्यादि विचार का वर्णन कीजिए।

4. वास्तुपद क्या है ? गृहपिण्ड विचार में इसके महत्व की विवेचना कीजिए।

5. गृह-प्रमाण विचार में नृपादि के गृह-प्रमाण सम्बन्धी मतों का वर्णन कीजिए।

6. वेध के महत्व का निरूपण कीजिए।

7. गृह निर्माण में काष्ठ चयन विषयक तथ्यों एवं सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

8. ग्रहारम्भ में चक्रशुद्धि विचार विषयक नियमों का उल्लेख कीजिए।